Nº 001448

C.S(M)09

C-DTN-J-TPB

SOCIOLOGY

Paper II

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks: 300

INSTRUCTIONS

Each question is printed both in Hindi and in English.

Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.

Candidates should attempt Questions no. 1 and 5 which are compulsory, and any three of the remaining questions selecting at least one question from each Section.

All questions carry equal marks.

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है ।

SECTION A

1.	Writ	e short	notes	on an	y <i>thre</i>	e of	the	following	in in
	not	more	than	200	words	each	in	sociologi	ical
	pers	pectives	s :					- 2	20×3=60

- (a) Indological perspective of G.S. Ghurye
- (b) Emergence of middle class in India
- (c) Dynamics of Dalit movement
- (d) Colonial hangover and its social impact
- 2. (a) What has been the impact of globalisation on the cultural aspect(s) of the family?

 30
 - (b) Comment on the changes in the household dimensions of family under modern economic reforms.
- 3. What are the main principles of the structural-functional perspective? Comment on the suitability of applying this perspective to the study of Indian society.
- 4. Comment in about 300 words each on the following: $30\times2=60$
 - (a) Changes that the agrarian social structure in India is undergoing.
 - (b) Can religion form a sufficient basis of forming cultural identity in India?

खण्ड क

- निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए, जो प्रत्येक 200 शब्दों से ज्यादा में नहीं होनी चाहिए :
 - (क) जी.एस. घुर्ये का भारतवैज्ञानिक संदर्श
 - (ख) भारत में मध्य वर्ग का उद्भव
 - (ग) दलित आंदोलन की गत्यात्मकता
 - (घ) औपनिवेशिक अनुप्रभाविता और उसका सामाजिक प्रभाव
- 2. (क) परिवार के सांस्कृतिक पक्ष (पक्षों) पर वैश्वीकरण का क्या प्रभाव रहा है ? 30
 - (ख) आधुनिक आर्थिक सुधारों के अधीन परिवार के घरेलू आयामों में परिवर्तनों पर टिप्पणी कीजिए। 30
- अ. संरचनात्मक-प्रकार्यात्मक संदर्श के प्रमुख सिद्धांत क्या हैं ।? भारतीय समाज के अध्ययन पर इस संदर्श को लागू करने की उपयुक्तता पर टिप्पणी कीजिए।
- निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 300 शब्दों में टिप्पणी लिखिए : 30×2=60
 - (क) भारत में कृषिभूमिक सामाजिक संरचना में हो रहे परिवर्तन।
 - (ख) क्या भारत में सांस्कृतिक पहचान के निर्माण में धर्म एक पर्याप्त आधार बन सकता है ?

SECTION B

5.	Writ	æ short	notes	on an	y <i>three</i>	of	the	following in	
	\mathbf{not}	more	than	200	words	each	in	sociological	
	perspectives: 20>								
	(a) Law and social change								

- (b) New rural elite and leadership
- (c) Fertility and population growth
- (d) Possibilities of slum reform
- 6. Answer the following, limiting your answer to 300 words each: $30 \times 2 = 60$
 - (a) Comment on the influence of social and cultural factors on family planning in India.
 - (b) Evaluate the success of Indian peasant movements in achieving their goals.
- 7. (a) In the context of the caste system, critically examine Louis Dumont's concept of purity and pollution.
 - (b) Comment on the sociological impact of globalization on people working in the Informal sector.
 30
- 8. Do you think that poverty, deprivation and inequalities are the major challenges in the process of social transformation? What are your suggestions to address and resolve these problems?

 60

खण्ड ख

निम्नलिखित में से किन्हीं <i>तीन</i> पर समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए, जो प्रत्येक 200 शब्दों से ज्यादा में	
नहीं होनी चाहिए : $20 imes 3$	=60
(क) विधि और सामाजिक परिवर्तन	
(ख) नव ग्रामीण संभ्रांत और नेतृत्व	
(ग) उर्वरता और जनसंख्या संवृद्धि	
(घ) गंदी बस्ती सुधार की संभावनाएँ	
निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर 300 शब्दों की सीमा में रहते हुए दीजिए : 30×2	=60
(क) भारत में परिवार नियोजन पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारकों के प्रभाव पर टिप्पणी कीजिए।	
(ख) भारत में कृषक आंदोलनों की अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफलता का मूल्यांकन कीजिए।	
(क) जाति प्रथा के संदर्भ में, लुई ड्यूमाँ की शुद्धता और प्रदूषण की संकल्पना का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।	30
(ख) अनौपचारिक क्षेत्रक में कार्यशील लोगों पर वैश्वीकरण के समाजशास्त्रीय प्रभाव पर टिप्पणी कीजिए।	30
क्या आपके विचार में निर्धनता, वंचितता और असमताएँ सामाजिक रचनांतरण के प्रक्रम में प्रमुख चुनौतियाँ हैं ? उन समस्याओं की ओर उन्मुख होने और उनके समाधान निकालने के सम्बन्ध में आपके क्या सुझाव हैं ?	60
	संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए, जो प्रत्येक 200 शब्दों से ज्यादा में नहीं होनी चाहिए : 20×3 (क) विधि और सामाजिक परिवर्तन (ख) नव ग्रामीण संभ्रांत और नेतृत्व (ग) उर्वरता और जनसंख्या संवृद्धि (घ) गंदी बस्ती सुधार की संभावनाएँ निम्नलिखित में से प्रत्येक का उत्तर 300 शब्दों की सीमा में रहते हुए दीजिए : 30×2 (क) भारत में परिवार नियोजन पर सामाजिक एवं सांस्कृतिक कारकों के प्रभाव पर टिप्पणी कीजिए । (ख) भारत में कृषक आंदोलनों की अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफलता का मूल्यांकन कीजिए । (क) जाति प्रथा के संदर्भ में, लुई इ्यूमाँ की शुद्धता और प्रदूषण की संकल्पना का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए । (ख) अनौपचारिक क्षेत्रक में कार्यशील लोगों पर वैश्वीकरण के समाजशास्त्रीय प्रभाव पर टिप्पणी कीजिए । क्या आपके विचार में निर्धनता, वंचितता और असमताएँ सामाजिक रचनांतरण के प्रक्रम में प्रमुख चुनौतियाँ हैं ? उन समस्याओं की ओर उन्मुख होने और उनके समाधान निकालने

C-DTN-J-TPB

समाजशास्त्र प्रश्न-पत्र II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।
प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए
जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है,
और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के
मुख पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना
चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त
अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक
नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं । बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note: English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.